Title: Need to restore the alloted land to the tribals of Madhya Pradesh occupied by the powerful people.

श्री रामानन्द सिंह (सतना): सभापति महोदय, मैं इस शून्यकाल की सूचना के माध्यम से भारत सरकार का ध्यान मध्य प्रदेश के भूमिहीन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, विशेषकर आदिवासियों की समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

सभापति महोदय, मध्य प्रदेश में १९७७ से १९८० के बीच जनता शासन में जब केन्द्र में मोरारजी भाई प्रधान मंत्री थे, इन भूमिहीनों को मध्य प्रदेश की वन भूमि में जहां वह वर्षों से खेती कर रहे थे, एकड़ दो एकड़ में उन्हें पट्टे दिये गए थे। लेकिन खेद की बात है कि पिछले कुछ वर्षों से सतना जिले के मझखौना उप-तहसील में जहां आदिवासी निवास करते हैं, वहां प्रभावशाली लोगों को ज़मीन के पट्टे दे दिये और पटनाकला, पटनाखुर्द, नयागांव (चित्रकूट), ग्राम पंचायत बांका में ग्राम कजरा गांव के आदिवासियों को उनके कब्ज़े की ज़मीन से वंचित किया गया है और उनकी ज़मीन को प्रभावशाली लोगों को दे दिया गया है। मैं भारत सरकार के माननीय मंत्री जी से यह अनुरोध करूंगा कि वे मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री को निर्देश दें कि वे आदिवासियों को कब्ज़े की भूमि जो वन विस्थापन में उन्हें दिलाई गई थी उस भूमि का कब्ज़ा मध्य प्रदेश के आदिवासियों को दिलाएं तथा उन्हें पुनः विस्थापित करें और प्रभावशाली लोगों ने जो उनकी ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया है, उन्हें बेदखल करें और हटाएं।

श्री लालू प्रसाद :सभापति जी, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। पूरा सदन खाली है। कोरम भी नहीं है। इसलिए मैं बहस बंद करने का प्रस्ताव ला रहा हूं कि बहस को बंद किया जाए।

श्री रामानन्द सिंह (सतना): सभापति जी, मैं लालू जी की बात का समर्थन करता हूं। जितने भी सीनियर लीडर्स हैं अपनी बात कहकर चले जाते हैं और ६० प्रतिशत जो नये सदस्य हैं, हम लोगों को मौका नहीं मिलता है। कृपया व्यवस्था करें कि नये सदस्यों को ६० परसेंट मौका मिले और जो १०-१५ लोग ही सदन में बोलने पर कब्जा किये हैं, इसको रोकिये नहीं तो हम भी नये सदस्यों का एक संगठन बनाकर इसके लिए लड़ेंगे।

... (व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद :देश की जनता ने सबको इसलिए भेजा है कि सदन में बैठिये और सुनिये। आप अभी घंटी बजवाइए तो चारों तरफ से सदस्य भागकर आ जाएंगे। कम से कम वॉर्निंग की घंटी तो बजाइए।

सभापति महोदय : लालू जी, आप भी अभी पहुंचे हैं, मैंने देखा है।